Roll No : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

APG–1008

M.A. (Previous) Examination, 2021

RAJASTHANI

Paper - IV

(राजस्थानी लोक साहित्य, संस्कृति एवं संत साहित्य)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

(सगळा सवालां रा पडूत्तर राजस्थानी में ई देवणा है)

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सगळा **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **2** अंक अर् **50** सबदां मांय देवणां है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात सवालां मांय सूं किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **200** सबद अर् **8** अंक राखीज्या है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार सवालां मांय सूं कोई **दोय** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **500** सबद अर् **20** अंक राखीज्या है।

खण्ड–अ प्रत्येक 2

1. सगळा सवालां रा जवाब देवणा है (सबद-सीमा : **50** सबद)।

(i) 'लोकमानस' सबद रो भावार्थ बताओ।

(ii) अंगरेजी सबद FOLK (फोक) रो अरथ बताओ।

(iii) लोकगीतां रो वर्गीकरण किण-किण आधार माथै करियौ जा सकै ?

(iv) लोकगाथा सारू अंगरेजी में कुणसो सबद बरतीजै ?

(v) किणी **दोय** राजस्थानी लोककथावां रा नाँव लिखौ।

(vi) टाबर रै जलम माथै कुणसा लोकगीत गाइजै ?

(vii) राजस्थान रा **पाँच** प्रमुख लोकदेवतावाँ रा नाँव लिखौ।

(viii) देशनोक में कुणसी लोकदेवी रो थान है ?

(ix) विश्नोई संप्रदाय की थरपणा करणवाळा संत कुण हा ?

(x) जसनाथी संप्रदाय री प्रमुख पीठ कठीनै है ?

खण्ड-ब प्रत्येक 8

नोट :- इण खंड सूं किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर देवणा है (सबद-सीमा : **200** सबद)।

2. लोक सबद रो अरथ अर परिभाषा बतावता थकां 'लोक' अर 'जन' में अंतर बतावौ।

3. लोकमानस रो स्वरूप अर विशेषतावां रो बरणाव करौ।

4. राजस्थानी लोकसाहित्य री प्रमुख विधवां रो परिचै दिरावौ।

5. राजस्थान में ब्याव रै टांणै गाइजण वाळा गीतां रो उदाहरण साथै परिचै देवौ।

6. राजस्थानी री किणी एक लोकगाथा रो कथा-सार लिखौ।

7. राजस्थान रै जोधपुर संभाग री प्रमुख लोक-देवियाँ रो परिचै दिरावौ।

8. दादू पंथी साहित्य रा प्रमुख संता रो परिचै देवता थकां इण पंथ री मान्यतावां बतावौ।

खण्ड–स

प्रत्येक 20

नोट :– इण खंड सूं किणी दोय सवालां रा पड़ूत्तर देवणा है (सबद-सीमा : **500** सबद)।

9. लोक साहित्य रै अध्ययन रो महत्त्व बतावौ। लोक साहित्य शिष्ट साहित्य सूं किण भाँत घणो मैहताऊ है ?

10. ''लोक साहित्य री दीठ सूं राजस्थानी भासा घणी सिमरध है।'' इण कथन रै आधार पर राजस्थानी लोक साहित्य रो परिचै दिरावौ।

11. लोककथावां रो वर्गीकरण करता थकां राजस्थानी लोककथावां री विसेसतावां रो वर्णन करौ।

12. राजस्थानी संत साहित्य री प्रमुख प्रवृतियाँ रो उदाहरण देवता थकां खुलासौ करो।